मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–014

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी. जी. डी. वी. एस.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2024
एम.वी.एस.-014 : प्रासाद, ग्राम एवं नगर वास्तु

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. मन्दिर निर्माण के लिए प्रशस्त भूमि का चयन किस प्रकार करते हैं ? सिद्धान्तों एवं उदाहरणों का उल्लेख कीजिए।

2. मूर्तिविचार सम्बन्धी वास्तुशास्त्रीय नियमों या मतों का वर्णन कीजिए।

3. राजप्रासाद निर्माण के आधारभूत सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

4. राजप्रासाद के विभिन्न अंगों का वास्तुशास्त्रीय सन्दर्भ में वर्णन कीजिए।

5. ग्राम के भेद एवं ग्रामवास्तु योजना का वर्णन कीजिए।

6. दुर्ग एवं सैन्य व्यवस्था सम्बन्धी वास्तुशास्त्रीय नियमों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* $4 \times 10 = 40$

1. संक्षेप में मन्दिर निर्माण शैली का वर्णन कीजिए।

2. राजप्रासाद की सज्जा सम्बन्धी वास्तुशास्त्रीय अवधारणा का वर्णन कीजिए।

3. सुप्रतिष्ठा से आप क्या समझते हैं ? वर्णन कीजिए।

4. बृहत्संहिता के अनुसार दकार्गल विचार क्या है ? संक्षेप में वर्णन कीजिए।

5. नगर के भेद बताकर नगरवास्तु योजना का उल्लेख कीजिए।

6. वास्तु एवं पर्यावरण के सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।

7. रोग-विचार एवं वास्तु पर टिप्पणी लिखिए।

8. भुवनकोश का परिचय लिखिए।